भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3611

21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

नागरिकों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता

3611. श्री दर्शन सिंह चौधरी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा देश के ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता के लिए कोई अभियान चलाया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) पंचमढ़ी सहित देश के वन क्षेत्रों में प्रचलित प्राचीन औषधियों और आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा के साथ संयोजित करने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): आयुष मंत्रालय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को कार्यान्वित कर रहा है और समुदाय द्वारा अपनाए जाने वाले स्वस्थ आहार और जीवन शैली को बढ़ावा देने के माध्यम से बीमारियों की प्रारंभिक रोकथाम में आयुष क्षमताओं को शामिल करते हुए मास मीडिया संचार कार्यनीति को शामिल करके व्यवहार परिवर्तन संचार (बीसीसी)/सूचना**,** शिक्षा और संचार (आईईसी) के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश में नागरिकों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता के लिए अभियान चलाने के उनके प्रयासों का समर्थन कर रहा है।

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना अर्थात आयुष में सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) का संवर्धन भी कार्यान्वित कर रहा है, जिसका उद्देश्य नागरिकों के बीच आयुष पद्धतियों की प्रभावकारिता, उनकी लागत प्रभावशीलता और आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी (एएसयूएंडएच) औषधि सेवाओं की उपलब्धता और अन्य समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। इसके लिए विभिन्न संचार चैनलों का उपयोग किया जा रहा है और सभी के लिए स्वास्थ्य के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए डिजिटल और ऑडियो-वीडियो प्रचार सामग्री सहित आईईसी सामग्री तैयार की जा रही है।

(ग): भारत सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं के सह-स्थापन की कार्यनीति अपनाई है, जिससे मरीजों को एक ही स्थान पर विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के लिए विकल्प चुनने में मदद मिलती है। आयुष डॉक्टरों/पैरामेडिक्स की नियुक्ति और उनके प्रशिक्षण को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समर्थित किया जाता है, जबकि आयुष अवसंरचना, उपकरण/फर्नीचर और औषधियों के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत साझा जिम्मेदारियों के रूप में आयुष मंत्रालय द्वारा समर्थन प्रदान किया जाता है।

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय का एक स्वायत्त संगठन, केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), निम्नलिखित 02 कार्यक्रमों द्वारा पारंपरिक प्रथाओं और हर्बल औषध-योगों को एकत्रित करने और प्रलेखीकरण करने में सक्रिय रूप से शामिल है।

I. मेडिको एथनो-बॉटनिकल सर्वे (एमईबीएस)
II. जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान कार्यक्रम (टीएचसीआरपी)

इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनजातीय आबादी के बीच स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं (एलएचटी)/लोककथा प्रथाओं का प्रलेखीकरण किया गया है। प्रलेखीकरण के बाद, स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं (एलएचटी)/लोककथा प्रथाओं की पहचान की जाती है तथा उनकी विशिष्टता के लिए उन्हें मान्य किया जाता है और संरचित प्रारूप और व्यवस्थित दृष्टिकोण के माध्यम से प्राप्त निष्कर्षों के महत्व एवं अपेक्षित रुपांतरणीय क्षमता के आधार पर उन्हें वर्गीकृत किया जाता है और प्राथमिकता दी जाती है।

*****